पत्र समूह संस्थापक : स्व. श्री रामगोपाल माहेश्वरी

नवभारत

1934 से

सदैव अपने पाठकों के साथ

मुंबई, मंगलवार 25 अगस्त 2020

पृष्ठ : 12 । मूल्य : ₹ 5.00 । भाद्रपद शुक्ल 7

/enavabharat

4 राज्य । 3 भाषाएं । 20 संस्करण

www.enavabharat.com

कोरोना काल में चिंता नहीं, चाहिए चिंता मिटाने वाले योद्धा

भारत कोविड-19 के मामलों की बढ़ती संख्या के साथ जूझ रहा है और हम हर रोज संक्रमित हो रहे मरीजों की संख्या के मामले में पूरी दुनिया में अव्वल हैं, लेकिन क्या हमें इस पर गर्व करना चाहिए? यद्यपि, हमारे देश के अस्पतालों में चिकित्सा की सुविधाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और हम अपनी सुविधा को विश्व स्तर का बना रहे हैं. लेकिन अब समय आ गया है कि नागरिक भी इस अदृश्य शत्रु को गंभीरता से लें और सरकारी विशिष्ट नियमों का पूरी तरह से पालन करें. कोविड-19 के कारण हुई अभूतपूर्व आपदा ने न केवल दुनिया को हिला दिया है, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों के बीच भी खलबली मचा दी है.

डॉ. अजय संखे

डायरेक्टर और सीईओ,

भक्तिवेदांत अस्पताल एवं संशोधन संस्था

■ एक 90 बेड का कोविड समर्पित अस्पताल, जिसमें गहन देखभाल इकाई (इंटेनसिव्ह केयर युनिट) और इंटरमीडिएट केयर यूनिट भी शामिल है, भक्तिवेदांत अस्पताल द्वारा संचालित सेठ. पी. वि. दोषी अस्पताल, मीरा रोड (महाराष्ट्र) में स्थापित किया गया है. बेसहारा और गरीब मरीजों को हम कठिन समय के दौरान देखते हैं, क्योंकि हम मानवता की सेवा में विश्वास करते हैं.

■ हमारे क्षेत्र में मरीजों की संख्या दोगुनी होते जाने की वजह से हमें कुछ नया सोचना पड़ा. हमने संदिग्ध कोरोना रोगियों का परीक्षण करने के लिए उत्तर मुंबई की एकमात्र उच्च तकनीक और 24X7 सतत कार्यरत पैथॉलॉजि लैब शुरू करने का निर्णय लिया है.

■ महाराष्ट्र के राज्यपाल बी. एस. कोश्यारी जी ने लैब का शुभारंभ किया और क्षेत्र में त्वरित एवं अति आवश्यक पैथॉलॉजि लैब सेवा प्रदान करने के हमारे प्रयासों की सराहना की. उपोरोक्त लैब ने मरीजों के परीक्षण में लगने वाले समय को कम करने का प्रण किया है. यह कोविड-19 के परीक्षण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा स्वीकृत एक लैब है. यह लैब अपने क्षेत्र की एकमात्र प्रयोगशाला के रूप में है जो क्लीनिकल पैथोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (artificial intellegence) का उपयोग करती है. यह सुविधा प्रति दिन, 500 परीक्षणों को संपन्न कर सकती है और इसे 1000 परीक्षण प्रति दिन तक बढ़ाया जा सकता है. आईसीएमआर दिशानिर्देशों के अनुसार परीक्षण की कीमतें निर्धारित हैं. हमारे पास बड़े स्तर पर परीक्षण करने के लिए पर्याप्त परीक्षण क्षमता है. आजकल जब स्पर्श से संक्रमण और बिना लक्षण वाले संक्रमणों से जुड़े मामले बढ़ रहे हैं, तो वॉक-इन, एलय चिकित्साओ के पूर्व (Pre-Operative) और अन्य ओरक्रियाओं के पूर्व परीक्षण करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है.

■ जुलाई 2020 में, हमने कोविड-19 से लड़ने के लिए एक ज्ञान साझा करने वाली चिकित्सा पहल "शेयर इट" शुरू की. मलेशिया में एक शहर के साथ एक गठजोड़ किया गया, जिसे ग्रीन ज़ोन घोषित किया गया था और जिसमें शून्य कोविड मरीज थे. मुख्यमंत्री दातुक सुलेमान मोहम्मद अली ने सहयोग की घोषणा के मौके पर कहा कि 'वे अस्पताल के साथ यह साझा करने के लिए तैयार थे कि कैसे मलेशिया कोविड -19 महामारी का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सफल रहा और कैसे इससे भारत को मदद मिलेगी'. भारत और मलेशिया के बीच की यह पहल इस बीमारी से लड़ने के लिए 'क्या करना चाहिए' और 'क्या नहीं करना चाहिए' इस पर रोशनी डालेगी. हेल्थकेयर परिदृश्य और चुनौतियां, धार्मिक, सामुदायिक एवं अन्य आयोजनों पर प्रतिबंध सहित सोशल डिस्टेंसिंग प्रवर्तन और कैसे 'वर्क फ्रॉम होम' ने बीमारी के फैलने से रोक लगाने में मदद की, इन सब के बारे में जानकारियों को अस्पताल के साथ विस्तार से साझा किया जाएगा.

■ हम जानते हैं कि हम अकेले की अपेक्षा साथ मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं. यही कारण है कि हम नगर निगमों के साथ काम कर रहे हैं और जल्दी से सीखने एवं समय के अनुसार स्वयं को बदलने के लिए हम दूसरे देशों के साथ मिलकर भी काम कर रहे हैं. मिलकर हम कर सकते हैं, मिलकर हम करेंगे.

■ हमारा अस्पताल पालघर, ठाणे और मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) जैसे विभिन्न नगर निगमों के साथ मिलकर काम कर रहा है. मार्च 2020 में क्षेत्र में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन की घोषणा की गई थी और तब हम नगरायुक्त और अन्य हितचिंतको, निजी और नगरपालिका अस्पतालों की मदद से एक कार्य योजना तैयार करने में सक्रिय थे.

■ हमने पंडित भीमसेन जोशी (टेम्बा अस्पताल), भायंदर (महाराष्ट्र) में 100 सामान्य बेड और 20 आईसीयू बेड के साथ पहली विशेष कोविड सुविधा प्रदान की. हमारी टीम ने मीरा भायंदर और एमबीएमसी के चिकित्सा कर्मियों के साथ मिलकर काम किया और अब तक 3000 से अधिक मरीजों का सफल इलाज हुआ है. यह कोविड अस्पताल 13 दिनों के रिकॉर्ड समय में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया गया था.